

to have forcible possession of land; and

(c) if so, the nature and extent of the organisation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) The State Government have no information.

(b) and (c). Some leaders of the Naxalbari group have attempted to incite the tea garden labourers of Banarhat area, Jalpaiguri District.

इंजीनियरों को रोजगार

6504. श्री भोगेन्द्र झा :
 श्री दीवीकन :
 श्री अक्षयजियान :
 श्री देवकीनन्दन पाटोविया :
 श्री खैलराया नायडू :
 श्री देव राव पाटिल :
 श्री देवी शंकर शर्मा :
 श्री चित्तिबाबू :

क्या शिक्षा मंत्री 8 मार्च, 1968 के सारंकित प्रश्न संख्या 510 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंजीनियरों को रोजगार देने के बारे में इस बीच विभिन्न मंत्रालयों से बातचीत पूरी हो गई है और यदि हां तो उस का क्या निष्कर्ष निकला है ;

(ख) क्या इंजीनियरों को रोजगार देने के लिये कोई व्यापक योजना बनाई गई है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका व्यौरा क्या है तथा उसकी क्रियान्विति में कितना समय लगने की संभावना है ।

शिक्षा मंत्री (डा० ज़िगुंए सेन) (क) से (ग). आयोजना आयोग के विभिन्न मंत्रालयों से विचार विमर्श का काम पूरा कर लिया

है और सरकार के विचार के लिए सिफारिशें तैयार कर ली गई हैं। सरकार द्वारा उन्हें स्वीकार कर लेने के तुरन्त बाद उन सिफारिशों को क्रियान्वित करने के लिए योजनाएं तैयार की जाएंगी ।

Service Conditions of Primary Teachers in India

6505. SHRI S. KUNDU: Will the Minister of EDUCATION be please to state:

(a) whether Government have formulated any scheme to improve the service conditions of teachers working in the primary schools in India;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the representatives of the Federation of Primary Teachers Unions met the officers in the Education Ministry and discussed their problems; and

(d) whether Government propose to give financial aid to State Government to improve the service conditions of primary teachers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) and (b). The Education Commission has made a number of recommendations in this regard and these have been set to the State Governments who are primarily concerned.

(c) Yes, Sir.

(d) No, Sir. It is for State Governments to emphasize on this problem.

Oriental Library, Rampur

6506. SHRI ZULFIQUAR ALI KHAN: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is an oriental library known as the Raza Library at Rampur (U.P.) which is the largest oriental library;

(b) if so, whether it receives any grant from Government and if so, the amount thereof;

(c) the share of the Central Government with respect to the grant in aid; and

(d) whether Government have any plan to take over the Library?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI SHER SINGH): (a) to (d). There is an oriental library at Rampur known as Raza Library. Government is not, however, aware that this is the largest oriental Library. This Library has received in the past the following non-recurring grants on *ad hoc* basis for publication of rare manuscripts and catalogues of manuscripts:

Year	Amount Rs.
1961-62	10,000
1962-63	8,000
1964-65	7,030
1965-66	2,612
1966-67	5,482

There has been a suggestion that the Central Government may take over the Raza Library on the same lines as the Khuda Bakhsh Oriental Public Library Patna. The suggestion will be considered in the light of the criteria that the Central Government may lay down on the recommendation of a Committee of experts which has recently been set up for the purpose, and which a library should fulfil before it can be considered for being declared as an institution of national importance. The Government of Uttar Pradesh will also be consulted on the suggestion.

दिल्ली परिवहन के छुट्टी दिवस भ्रमण टिकट

6507. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या परिवहन तथा नौबहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) : क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन द्वारा 'जहां चाहे घूमिये' योजना के अन्तर्गत जारी किये गये छुट्टी दिवस भ्रमण टिकट केवल अंग्रेजी में ही छपे तथा जारी किये जाते हैं ;

(ख) क्या सरकार को पता है कि इससे उन हजारों व्यक्तियों को कठिनाई होती है जो इस विदेशी भाषा को नहीं जानते हैं ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इन टिकटों को हिन्दी में छापने तथा जारी करने का प्रबन्ध करेगी ।

परिवहन तथा नौबहन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त बर्षान) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग). टिकट का उपयोग करने वाले व्यक्ति का नाम, उम्र और हस्ताक्षर सूचित करने के लिये प्रत्येक टिकट में तीन कालम हैं। चूंकि ये टिकट हस्तांतरणीय नहीं हैं अतः जो कर्मचारी इन टिकटों को जारी करता है उसे टिकट को जारी करने से पूर्व टिकट खरीदने वाले का नाम व उम्र कालम में भरनी पड़ी है। उसे खरीदने वाले को अपनी उपस्थिति में हस्ताक्षर करने के लिये उचित स्थान भी सूचित करना होता है। जारी किये जाने के पूर्व टिकटों में तारीख और महीना पंच कर दिया जाता है। इस उपरोक्त तथ्य के कारण यात्री को टिकट के बारे में समझने या भरने के लिये कुछ भी नहीं रह जाता है। अतएव टिकटों के अंगरेजी में छपे होने के कारण यात्री को किसी प्रकार की असुविधा होने का प्रश्न नहीं उठता है। फिर भी इन टिकटों को हिन्दी में भी मुद्रित कराने की संभावना